0049

इंडिया टुडे

6 दिसंबर, 2000 10 रुपए

हत्यारे की तलाश का अभियान

सतरंग

संगीत

घूमर, भाग 2 (वीणा कैसेट्स, 50 रु.)

पारंपरिक राजस्थानी लोकनृत्य गीतों के इस दूसरे भाग में नौ सुरीले गीत हैं. मंजे हुए संगीतकार रामलाल माथुर के संगीत और रूपसिंह शेखावत के नृत्य संयोजन ने कैसेट में शामिल घूमर, डांडिया-गैर तथा बणजारा शैली के नौ गीतों में जान डाल दी है. इन लोकगीतों के मूल स्वरूप को क्षति न पहुंचे, संगीत में इसका विशेष ध्यान रखा गया है. लोक संगीत को नई ऊंचाइयां देने वाली प्रस्तुति.

उत्सव

अखिल भारतीय कथक युवा महोत्सव (2-4 दिसंबर; जयपुर कथक केंद्र, जयपुर, राजस्थान)

राष्ट्रीय स्तर के इस तीन दिवसीय उत्सव में जयपुर के अलावा दिल्ली, मुंबई और बड़ौदा जैसे शहरों के 15 युवा नर्तक अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे. इस मौके पर नृत्य की शैलियों, तकनीक और कला के विविध पक्षों पर परिचर्चा भी आयोजित की जाएगी. इसमें नृत्य कला के कई विशेषज्ञ भाग लेंगे.

सभा/संगत

दूरस्थ संगीत शिक्षा पर संगोष्ठी (27-29 नवंबर; भारत भवन, भोपाल, म.प्र.)

इस संगोष्ठी में दूरस्थ शास्त्रीय संगीत शिक्षा पर कुल 11 सत्रों में चर्चा होगी. डॉ. एन. रामनाथन, प्रो. विद्याधर व्यास, प्रो. एच. वी. सहस्त्रबुद्धे, जुहानी र्यूपो, अशोक रानाडे, शुभा मुद्गल, ए.एस.के. दुर्गा समेत लगभग 300 संगीतविद इसमें शिरकत करेंगे. संस्कृतिकर्मी अशोक वाजपेयी उद्घाटन भाषण देंगे.

स्वदेशी पर राष्ट्रीय जागरण के लिए सभा (17-19 नवंबर; भोपाल, म.प्र.)

स्वदेशी जागरण मंच ने इस सम्मेलन में प्रमुख चिंतकों दत्तोपंत ठेंगड़ी, मदनदास देवी, एस. गुरुमूर्ति और गोविंदाचार्य के सान्निध्य में स्वदेशी पर सामाजिक जागरण की रणनीति बनाई. वह कृषि नीति में खामियों के खिलाफ हर जिले में किसान सम्मेलन और 714 वस्तुओं के आयात पर से मात्रात्मक प्रतिबंध हटने के खिलाफ बंदरगाहों पर विरोध प्रदर्शन करेगा.

कला

दिलीप और देबजानी भट्टाचार्य की पेंटिंग्स की प्रदर्शनी (24-28 नवंबर; भारत पर्यावास केंद्र आर्ट गैलरी, लोधी रोड, नई

एड्स पीड़ितों की मदद के लिए आयोजित प्रदर्शनी में रखे गए इस बंगाली युगल की कृतियां भी अपने में मानवीय संस्पर्श का कुछ वैसा ही

कारणों पर व्यंग्य और कटाक्ष करते हैं. इनमें एक ओर अनैतिकता का अनावरण है तो दूसरी ओर मसीही स्पर्श. आम जनमानस में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से रचे गए ये चित्र कसौटी पर खरे उतरे हैं.

अजय जेटली के चित्रों की प्रदर्शनी (23-30 नवंबर; निराला आर्ट गैलरी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, उ.प्र.)

कई कवियों की कविताओं की भावभूमि पर जेटली की सृजी पेंटिंग्स की प्रदर्शनी का उद्घाटन छायाकार प्रदीप सौरभ ने किया. इलाहाबाद में चित्रकला और कविता के आपसी सरोकारों को सहेजती-सवांरती और परखती इस युवा चित्रकार की कृतियां आम आदमी के दुख-दर्द को उकेरती हैं.

अध्ययन

***अर्थात:* अक्तूबर-दिसंबर-2000** (संपादक: मनोजकांत; आस्था कुटी, 42, नियावां रोड, फैजाबाद-224001, उ.प्र.)

इसका प्रवेशांक पत्रिकाओं की बाढ़ में एक राहत की तरह है. कवि शलभ की काव्य यात्रा और मनोहरश्याम जोशी के उपन्यास पर लिखे गए लेख तर्कसंगत हैं. विद्याविंदु सिंह की कहानी एक स्त्री के उजाड़ और सूनेपन को गहरे मथती है. कविताएं प्रभावित नहीं करतीं. अभिजनवादी लेखक निर्मल वर्मा साक्षात्कार में हिंदू अस्मिता की रक्षा व भारतीयता की बात करते हैं. उम्मीद है, पत्रिका आगामी अंकों में पूर्वी उत्तर प्रदेश का आंचलिक यथार्थ सामने लाने की कोशिश करेगी.

पानी दे, गुड़धानी दे (लेखक: सुनील चतुर्वेदी; प्रकाशक: विभावरी, 36, एमआइजी, मुखर्जी नगर देवास, म.प्र.; कीमत: 75 रु.)

यह वस्तुत: देवास जिले में चलाई गई भूजल संवर्धन की विशेष तकनीकों तथा इस दिशा में जन भागीदारी से पिछले दो साल में हुए कामों का दस्तावेज है. कसौटी पर कसी गई इन नई तकनीकों के अलावा इसमें हमारे पारंपरिक टोटकों और उन विधियों का भी चित्रण है जो हमारे पूर्वज अनजाने में ही भूजल संवर्धन के लिए अपनाते थे. भाषा नितांत सरल है. परिशिष्ट में भूगर्भ विज्ञान से जुड़ी शब्दावली को भी जोड़ दिया गया है.

इत्यादि

शादी-ब्याह की वेबसाइट www.suryaswayamvar.com

मुंबई की सूर्या इन्फोलाइन प्रा.लि. ने विवाह योग्य युवक-युवतियों की खोज में मदद की दृष्टि से यह वेबसाइट तैयार की है. ऐसे युवक-युवतियों के रंगीन चित्र तथा ब्यौरा साइट पर ही उपलब्ध फार्म में भरकर भेजा जा सकता है, जिसे फिर इस पर नि:शुल्क प्रचारित किया जाता है. वैवाहिक जरूरतों से जुड़े ज्वेलर्स, डेकोरेटर्स, कैटरर्स, फोटोग्राफर्स और ब्यूटीशियन आदि के ब्यौरे भी इस पर भेजे और प्राप्त किए जा सकते हैं.